दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन | भारत सरकार से रजिस्टर्ड | हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करे:-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिज़ाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 81 मुरादाबाद, 10 July 2023 (Monday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

उत्तर भारत में कहर बनकर बरस रही बारिश, कई लोगों की मौत; दिल्ली में 41 साल का रिकॉर्ड टूटा

ऑनलाइन डेस्क। उत्तर भारत के कई राज्यों में बीते दो दिनों से हो रही बारिश से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ और दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर भारत के कई राज्यों में बीते दो दिनों से हो रही बारिश से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। वहीं भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ और दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने दिल्ली हरियाणा हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड राजस्थान पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। भारी बारिश से सड़कों पर सैलाब- आईएमडी ने दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बता दें कि दिल्ली में कल से लगातार बारिश हो रही है, जिससे सड़कों पर पानी भर आया है।दिल्ली में टूटा 41 साल का रिकॉर्ड- राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हो गया है। शहर में 24 घंटों में 153 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में सबसे अधिक है। इस बारिश ने 41 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में रविवार को भी भारी बारिश जारी रही। साथ ही गुरुग्राम के कई हिस्सों में भी जलभराव और बिजली कटौती की समस्या उत्पन्न हुई।अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों की मौत जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में एक 58 वर्षीय महिला की उसके फ्लैट की छत गिरने से मौत हो गई, जबकि राजस्थान में बारिश के कारण चार लोगों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में रविवार सुबह बारिश के कारण एक घर गिर पड़ा, जिसमें एक महिला और उसकी छह साल की बेटी की मौत हो गई। इसी तरह की एक घटना में हिमाचल प्रदेश के शिमला में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। साथ ही जम्मू-कश्मीर में शनिवार को पुंछ जिले में अचानक आई बाढ़ से सेना के दो जवानों की मौत हो गई।दक्षिण भारत में भी बारिश जारी-इधर, दक्षिण भारतीय राज्य केरल और कर्नाटक के कई इलाकों में भी लगातार बारिश हो रही है। हिमाचल में सड़कें बंद- इसके साथ ही मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के सात जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। हिमाचल में कई जगह भूस्खलन से सड़कें बंद हो गई है। वहीं, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। साथ ही चंडीगढ़ में पूरे दिन बारिश होती रही।

अखिलेश यादव बोले, भाजपा राज में महंगाई और बेरोजगारी के चलते लोग कर्ज में डूब रहे

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह फेल साबित हुई है। बेरोजगारी के चलते लोग कर्ज में डूब रहे हैं।सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में अवैध वसूली और लूट के चलते जनता की जेब पर महंगाई का डाका पड़ रहा है। टमाटर हो या अदरक, परवल, शिमला मिर्च, हरी मिर्च हो या मशरूम सभी के दाम आसमान छूने लगे हैं। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार महंगाई पर काबू पाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज में लगातार बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के चलते लोग कर्ज में डूबते जा रहे हैं। उधर, अखिलेश ने रोडवेज बस को धक्का लगाते लोगों का वीडियो टैग करते हुए ट्वीट किया है कि जनता कह रही है कि यहां डबल इंजन सरकार का मतलब है कि इंजन फेल, ड्राइवर नदारद। एक अन्य ट्वीट में लखनऊ में जलभराव की समस्या उठाते हुए

उन्होंने कहा कि राजधानी को एआई सिटी बनाने का झूठा ख्वाब दिखाने से अच्छा है, सच्ची हकीकत को समझा जाए। जिसके कारण लोगों का जीवन खतरे में पड़ रहा है।दूसरी ओर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सर्व सेवा संघ, राजघाट वाराणसी की भूमि पर वर्ष 1962 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने गांधी विद्या संस्थान की स्थापना की थी। वाराणसी के कमिश्नर ने कब्जा कर इसे एक सरकारी संस्थान को सौंप दिया है और ध्वस्तीकरण की धमकी भी दी है। अखिलेश ने इस फैसले को अनुचित बताया है। कहा कि भाजपा की राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से चिढ़ जगजाहिर है।

भाजपा कैसे इस नए कचरे से निपटती है, इसे देखने के लिए कर रहा इंतजार; NCP में फूट पर उद्धव का तंज

एनसीपी को लेकर बदली हालिया स्थितियों को लेकर जब उनसे भाजपा के बारे में पूछा गया तो टिप्पणी करते हुए उद्धव ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भाजपा इस बारे में कुछ भी कहने की हकदार है। उसे हमें उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है। मैं बस यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि भाजपा नए कचरे को कैसे संभालती है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में चाचा-भतीजे के बीच की जंग अब पार्टी पर कब्जे तक आ गई है। इस बीच, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर पलटवार करते हुए तंज कसा है। उन्होंने एनसीपी में फूट के एक सप्ताह बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह यह देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं कि भाजपा इस नए कचरे से कैसे निपटेगी। बता दें कि दो जुलाई को पार्टी के मुखिया शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने एनडीए में शामिल होने का एलान कर दिया था। भाजपा की अगुआई वाली एनडीए गठबंधन की सरकार में अब वह डिप्टी सीएम भी हैं। अजित पवार गुट ने 40 विधायकों के समर्थन का दावा किया है। इस दौरान उन्होंने एकनाथ शिंदे सहित 16 शिवसेना विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं के मुद्दे पर भी प्रतिक्रिया दी। ठाकरे ने कहा कि राज्य विधानसभा अध्यक्ष को इस पर निर्णय लेना होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर स्पीकर इसे दरकिनार कर देते हैं तो सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे हमारे लिए हमेशा खुले हैं। विदर्भ क्षेत्र का दो दिवसीय दौरा शुरू करने के बाद नागपुर में पत्रकारों से वार्ता करने के दौरान उन्होंने यह बातें कहीं। एनसीपी को लेकर बदली हालिया स्थितियों को लेकर जब उनसे भाजपा के बारे में पूछा गया तो टिप्पणी करते हुए उद्धव ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भाजपा इस बारे में कुछ भी कहने की हकदार है। उसे हमें उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है। मैं बस यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि भाजपा नए मतभेदों को कैसे संभालती है। उनका ये बयान महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर की टिप्पणियों के संदर्भ में आया है। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 40 विधायकों और उनके बेटे आदित्य ठाकरे सहित उद्धव ठाकरे गुट के 14 विधायकों को नोटिस जारी किया गया है। इस नोटिस के जरिए उनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर जवाब मांगा गया है। इन विधायकों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। वहीं, इससे एक दिन पहले यानी शुक्रवार को नार्वेकर ने सीएम शिंदे सहित शिवसेना के 16 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द सुनवाई करेंगे। बता दें कि बीते साल जून शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ एकनाथ शिंदे सहित 40 विधायकों ने विद्रोह कर दिया था। ऐसा करके उन्होंने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिरा दी थी। बाद में शिंदे बीजेपी के समर्थन से सीएम भी बने। वहीं, अब बीती 2 जुलाई को एनसीपी प्रमुख शरद पवार के भतीजे अजित ने अपनी पार्टी से बगावत कर दी है।

नगर विकास मंत्री ने अफसरों को दिए निर्देश, जल निकासी का बेहतर प्रबंध करें, फील्ड पर जाएं

यूपी के नगर विकास मंत्री ने बारिश के कारण शहरी क्षेत्रों में हो रही समस्याओं पर अफसरों व कर्मचारियों से चर्चा की और सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जन सुविधाओं को लेकर कहीं से भी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बरसात के मौसम में प्रदेश के नगरीय निकायों की जल निकासी, साफ-सफाई, कूड़ा उठान, सुंदरीकरण, सड़क मरम्मत तथा जन सुविधाओं के सुचारु संचालन के कार्यों में कहीं पर भी ढिलाई न बरती जाए। निकाय अधिकारी प्रतिदिन क्षेत्रों में जाकर कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करें और नागरिकों के सामने उत्पन्न समस्याओं का तत्काल समाधान कराएं। कहीं से भी जन सुविधाओं को लेकर शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने तथा उनके सुझाव पर अमल करने की बात भी कही।नगर विकास मंत्री ने रविवार को कालिदास मार्ग स्थित आवास से वर्चुअल बैठक कर सभी निकाय अधिकारियों को यह जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात में जलभराव, सड़कों के टूटने, मलेरिया, डेंगू और संचारी रोगों के फैलने की समस्याएं बढ़ जाती हैं, जिससे आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इससे निपटने के लिए पहले से ही पूर्ण तैयारी एवं सतर्कता आवश्यक है। उन्होंने कहीं पर भी जलभराव न हो इसके लिए जल निकासी हेतु पंपिंग स्टेशनों को चालू हालत में रखने और जहां जरूरी हो अतिरिक्त पंप की व्यवस्था करने को कहा है। जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित करने और वहां पर पानी के निकास की उचित व्यवस्था करने को भी कहा। उन्होंने सभी नाले, नालियों को साफ रखने और उनके चोकिंग पॉइंट की भी नियमित निगरानी करने को कहा जिससे पानी की निकासी में कोई रुकावट न पैदा हो। नगर विकास मंत्री ने बरसात के कारण टूट रही सड़कों और हो रहे गड्ढों की भराई और मरम्मत कार्य को युद्धस्तर पर जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात में पानी भरने से सड़कों के टूटने और गड्ढे होने का पता नहीं चलता जिससे अक्सर दुर्घटनाएं हो जाती हैं। सावन का पवित्र महीना भी चल रहा है कांवड लेकर श्रद्धालु चल रहे हैं।

उन्हें मार्गों पर किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए कावड़ मार्गों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को भी सीवर और जल आपूर्ति पाइप के लिए की गई खुदाई को शीघ्र पाटने को कहा। नगरों की स्ट्रीट लाइट को व्यवस्थित करे, जिससे लोगों को आने जाने में आसानी हो। उन्होंने इस समय साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। कूड़ा उठान एवं साफ-सफाई नियमित की जाए जिससे गंदगी और रोगों से लोगों को परेशानी न हो। गंदगी से बरसात में मच्छर जनित बीमारियां मलेरिया, डेंगू, संचारी रोग पनपते हैं। इससे निपटने के लिए स्वास्थ्य एवं मलेरिया विभाग के अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करें और जलभराव वाले क्षेत्रों, नाले, नालियों में जरूरी दवाओं का छिड़काव और फॉगिंग कराएं। उन्होंने नगरों के सुशोभन और सुंदरीकरण पर भी ध्यान देने को कहा। नगर विकास मंत्री ने सभी निकाय अधिकारियों को कहा है कि जन सुविधाओं के सुचारू संचालन के कार्यों में कहीं पर भी ढिलाई न बरती जाए। लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने डी ट्रिपल सी के माध्यम से निकाय कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और 1533 पर आई शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में निदेशक नगरी निकाय नितिन बंसल, सभी नगर आयुक्त, नगर पालिका परिषदों व नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी व कर्मचारियों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया।

संपादकीय Editorial

Third jump on the moon

India is about to take another leap into space. Chandrayaan-3, the third mission to go to the moon, will be launched on July 14. If this effort of ISRO is successful, it will be the only natural satellite of the Earth to reach the Moon's orbit by covering a distance of about 3.84 lakh kilometers. After that success, India will be the fourth country in the elite club of USA, Russia and China. It is estimated that the Vikram lander of our mission will be able to land safely on the lunar surface by 23-24 August. That achievement will be historic and India will set a new dimension in the field of space science.

The journey that started with a bicycle and a bullock cart is today of a global scale and more than 400 companies are working in the space sector in India. India is the 5th country after USA, China, Japan, UK, where there is so much expansion of space research and business.

Now America has entered into an agreement with us that its NASA will work with our ISRO on joint missions, business and research. This change and expansion is truly revolutionary in the context of India. India has faced constant neglect and criticism during its space development journey.

India is a country of snakes, dung and dirty villages, we could not break this image for decades. Today, more than 140 startups in space technology are operating in India, whereas at one point there was only one startup operating in the country.

This progress has made India stand in the group of super power countries. The space economy in the world is worth Rs 30 lakh crore. India's contribution in this is around Rs 58,000 crore. India has set a decade target that it will launch 30000 satellites. This is a huge target.

What characterizes our space startups is their focus on innovation. They do not want to beat the streak of America and Europe, but their capable space engineers are constantly doing new research. As a result, there is a competition among the world's biggest companies as to who invests maximum in these startups.

ISRO has set many records in space jump, so after 2014, 44 missions and 42 launch vehicle missions are in the name of India. However, the Chandrayaan-2 mission failed shortly before landing on the lunar surface. The moment was emotional and painful, but experiments never stop.

Now if the mission of July 14 is successful, then India will be the fourth country in the world.

We should wait for those moments. This research and experiments have been done by our scientists, which are completely in the interest of the country, so comparing such missions with potholes on the social media platform is condemnable. It is also a kind of treason. We do not understand such freedom of expression.

However, when those glorious moments come, we too will see the live telecast of the rocketed satellite going towards the sky. Then after that we will analyze what was the conclusion of our efforts. Indians should pray to God that this time the result should not be like Chandrayaan-2, but we should get success.

Last time also when our mission failed, the country was plunged into deep despair and even the ISRO chief could not hold back his tears. At that time, Prime Minister Narendra Modi had assured the scientists that the cycle of success and failure goes on. Hope this time scientists will learn from the previous failure.

Constitution: Personal laws need to be reformed, policy directive principles need to be debated

The Indian Constitution has a whole chapter on the Directive Principles of State Policy. It is sad that there is hardly any debate about these guiding principles. These are not on the agenda of the government. Article 44 alone has captured the political space thanks to the favor of the RSS-BJP and some observations of the Supreme Court. The Indian Constitution has a whole chapter on the Directive Principles of State Policy. Article 44 is one of the 18 articles given in Chapter-IV. From the point of view of equality and non-discrimination, the directions given in Article 38(2) regarding the reduction of inequality in income and the elimination of inequality of status, facilities and opportunities are important. From the point of view of social and economic justice, the instructions given in Article 39 is the main pillar of this chapter. Article 43 directs the state to secure 'livelihood' and this is the aspiration of millions of working class people. It is sad that there is hardly any debate about these guiding principles. These are not on the agenda of the government. Article 44 alone has captured the political space thanks to the favor of the RSS-BJP and some observations of the Supreme Court. words have meaning- Let us consider the language of Article 44: 'The State shall endeavor to secure for the citizens a uniform civil code throughout the territory of India.' These words have meaning. The meaning of a word is not as it is, 'what I choose it to mean'. 'Equal' does not mean 'universal'. 'endeavour to ensure' does not mean 'shall ensure'. Babasaheb Ambedkar and his associates were not ignorant. He had a deep knowledge and understanding of the Indian people's history, religions, caste differences, social and family systems, cultural practices and customs, and chose the words of chapter four very carefully. Uniform Civil Code (UCC) is the short form of Personal Laws. It deals with four areas of law: marriage and divorce, succession and inheritance, minors and guardianship, and adoption and maintenance. Over the centuries, the personal laws of different classes of people and different geographical regions of the country have evolved in different ways. The ruler of the people played an important role in this development. Religion also played an important role. Geography, fertility, conquest, migration and foreign influences also influenced personal lawsReforms started in 1955- Personal law as it exists today includes gender discrimination as well as non-gender discrimination. Unscientific and unhealthy practices exist. Some socially reprehensible practices and customs also exist. There is undoubtedly a need for reform in such aspects of personal laws. Reform of personal laws is not a new thing. It has been on the national agenda since the time of the framing of the Constitution. It was one of the foremost priorities of the first Parliament of India (1952–57). Supporters of reform included Jawaharlal Nehru and Babasaheb Ambedkar. Four major Acts were passed, revising and codifying Hindu law, despite opposition from conservative and narrow sections of people: Hindu Marriage Act, 1955 Hindu Succession Act, 1956 Hindu Minority and Guardianship Act, 1956 Hindu Adoptions and Maintenance Act, 1956 A young nation had done remarkable work in the form of reforms in the personal laws of the majority Hindu community. It was revolutionary, but the revolution allowed some aspects to remain. Not all discriminatory provisions were removed: the Hindu undivided family was accepted as a legal unit; And the customs and practices connected with marriage were recognized as an exception. The surname is important, as most marriages in India are arranged according to custom. Further amendments were made in the years 1961, 1962, 1964, 1976, 1978, 1999, 2001 and 2003. During the years 2005 to 2008, the UPA government made some more reforms. Three of the four Acts mentioned above were amended. Among these, giving equal rights to daughters and sons on property was a revolutionary change. The Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005, the Prohibition of Child Marriage Act, 2006 and the Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act, 2007 were passed. Where the legislative bodies hesitated, the courts came to the fore. On August 22, 2017, the Supreme Court declared the practice of talaq-e-biddat (triple talaq) among Muslims as unconstitutional. Focus on 21st Law Commission- When we were faced with personal laws of tribals, we fell silent. None of the four Acts mentioned above apply to the Scheduled Tribes in Article 366, Clause 25 of the Constitution. The Sixth Schedule to the Constitution was added to the administration of the tribal areas of Assam, Meghalaya, Tripura and Mizoram and included an amendment to empower the district councils and regional councils of these states to make laws regarding succession, marriage, divorce and social customs. Paragraph added. Special provisions were made to protect religious or social customs and customary law in Nagaland (Article 371A), Sikkim (Article 371F) and Mizoram (Article 371G). Tribal organizations in Chhattisgarh and Jharkhand are demanding similar special provisions. There is definitely a need for further reforms in the personal laws. The 21st Law Commission has given discretion has advised: 'This commission considered laws that are discriminatory, not the UCC which is neither necessary nor desirable at this point of time...Cultural diversity should not be compromised to such an extent that Our insistence for uniformity may in itself become a threat to the territorial integrity of the country. The Hon'ble Prime Minister has presented the issue in such a way that one can only respond for or against the UCC. This approach treats the people of India like dumb sheep. The nuanced approach would be to start a meaningful conversation about the reforms that are needed in all personal laws, including Muslim law. The key word is reform, not uniform.

Concern: And now one earth is not enough, because its own roots are being cut in the name of development

Man is cutting the branch on which he is sitting for the development of life. The natural development which embellished him with full intellectual abilities, he is writing the story of his own extinction by digging the roots of the same. In a recent interview, Paul Ehrlich, the well-known author of The Population Bomb, said that we need five more Earths to maintain our current lifestyle. The human population, which controls all living creatures and even microorganisms on Earth, is consuming natural resources 175 percent more than their renewable capacity. In such a situation, what will be the future of life on earth and of mankind itself? Where are there so many earths, which can fulfill human's indulgence and lust? The condition and direction of life on earth has never remained stable. Change is the law of the universe and also the law and order of life on earth. If this was not the case, evolution would not have dominated and we would not have existed. Innumerable changes take place in the universe, so also in the earth and its life. From one cell of our body to the whole biosphere and from one atom to the whole universe, all the changes move on the same axis. Life development is the change that moves with a rhythm on the earth.

The journey of development has been going on continuously since the earth came into existence till date. In this continuous journey of development, the earth has become increasingly dense with bio-diversity. In natural evolution, a time period is fixed for the existence of each species. After the origin of life on earth, some 30 billion species have played in the lap of nature, out of which an estimated 8.5 million are still in existence and the rest have become extinct. Thus the eventual extinction of each species is an integral aspect of the law of natural evolution. Due to many physical-biological reasons, no species becomes extinct untimely, for this, there is a system of natural development that that species should be in maximum number and it should have many genetic forms. The dominance of a species lasts for millions of years, but the life of its members is only a fraction of the life of the species. There is a background rate, or normal rate, of the extinction of a species, which has become extinct in the biological and geological history of the Earth. refers to the standard rate of occurrence with no human intervention in Earth's ecosystems.

The human species has been able to alter the Earth's natural ecosystems and to invade and influence the survival of all living organisms in their natural habitats. There is little chance that the extinction rate is still in line with background rates. Thus, background rates are calculated with reference to the pre-human period, or the period between major extinction events. Life on Earth has experienced five mass extinction events in the geological and biological history of the planet. The story of mass extinction on Earth began about 4,400 trillion years ago, in what is called the Ordovician period. In that destruction, 86 percent of the species of the earth were forever absorbed in the cheek of time.

The second mass extinction occurred 3,750 billion years ago, in which 75 percent of species were destroyed. Scientists have named this period as Late Devonian. About 2500 trillion years ago, about 96 percent of the species from the earth were destroyed forever. This third mass extinction event is said to be the most devastating of the five. The fourth mass extinction occurred in the Triassic-Jurassic period 2000 billion years ago, in which the Earth lost 80 percent of its species forever. The fifth mass extinction event occurred about 650 trillion years ago, wiping out about 75 percent of species, including dinosaurs. Some experts believe that the fifth mass extinction was caused by a huge meteorite hitting the Earth.

Mass extinction has been a phenomenon associated with natural disasters. But in this human-dominated period called the Anthropocene, the destruction that is going on at present and which is going to be an unprecedented catastrophe for the planet in the near future, is all the result of human activities. Mankind has exploited the natural resources to such an extent that now its own future is in danger. Water, air, and soil have all been polluted and the ecological balance has been disturbed so much that innumerable species have reached the brink of extinction.

The rate of species extinction in the Anthropocene is 100 to 1,000 times the normal rate. This is the sixth mass extinction, which will increase with the climate vicious circle. Climate change itself is one of the saddest chapters in the history of life evolution on earth due to human activities. Man is cutting the branch on which he is sitting for the development of life. The natural development which embellished him with full intellectual abilities, he is writing the story of his own extinction by digging the roots of the same.

12 से अधिक गांवों में घुसा ढेला नदी का पानी, 20 हजार लोग प्रभावित...किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें

मुरादाबाद- पहाड़ों पर लगातार हो रही भारी बारिश का असर मैदानी इलाकों में देखने को मिल रहा है। जिले में ढेला नदी और गांगन नदी का जलस्तर बढ़ गया है। हालात ये हैं कि ढेला नदी का पानी विवेकानंद पुल से काशीपुर रोड पर इस्लाम नगर और काफियाबाद के पास सड़क के ऊपर से बह रहा है। रोड पर करीब 200 मीटर से अधिक हिस्से पर ढाई फीट तक नदी का पानी आने से यहां वाहन चालकों के साथ ही पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। काशीपुर लिंक रोड के आस-पास बसे 12 से अधिक गांवों में नदी का पानी घुसने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। खेतों में भी दो से तीन फीट तक नदी का पानी जमा हो गया है। भोजपुर के काफियाबाद, घोसीपुरा, खैय्या खद्दड़, शाहपुर गनीनगर, अक्का, मंसूमपुर, पीपलसाना, कोनी का मजरा, लालूवाला, त्रिलोकपुर, कोनी, इस्लामनगर समेत 12 से अधिक गांवों में ढेला नदी का पानी घुसने से करीब 20 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। मुरादाबाद - काशीपुर लिंक रोड पर इस्लाम नगर और काफियाबाद गांव के पास ढेला नदी रोड पर होकर बह रही है। जिसकी वजह इस रोड पर आवागमन भी ठप हो गया है। राहगीर गांव के एक छोर से दूसरे छोर जाने के लिए वैकल्पिक बेलगाड़ी और ट्रेक्टर-ट्राली का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारी बारिश के बाद किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। किसानों की खेतों में तैयार खड़ी हजारों एकड़ फसल पानी में डूब गई है। पीड़ित किसानों का कहना है

कि वे पशुओं के लिए चारा तक नहीं ला पा रहे हैं। इनमें से कुछ गांवों में पानी शुक्रवार को देर रात आया है, जबकि कुछ गांवों में दिन में ही पानी आ गया था। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में हमेशा ही बरसात के मौसम में ढेला नदी का पानी सड़क के ऊपर से बहता है। आपको बता दें कि यहां पिछले 15 सालों से भी अधिक समय से पुल बनाने की मांग हो रही है। लेकिन, कई बार ज्ञापन देने और प्रदर्शन करने के बाद भी आजतक किसी भी पार्टी के नेता ने यहां पुल बनवाने के लिए ध्यान नहीं दिया है। उत्तराखंड में पहाड़ों पर हो रही बारिश के बाद अब मैदानी इलाकों में भी मॉनसून पहुंचने के बाद नदियां उफान पर आ गई हैं।

अगर इसी तरह बारिश होती रही तो पश्चिम उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर कितना बढ़ जाएगा कि नदी किनारे बनी हुई कॉलोनियों में भी पानी भर जाएगा। वर्ष 2010 में भी पहाड़ों में हुई भारी बारिश का असर मुरादाबाद की कई पॉश कॉलोनियों में देखने को मिला था। मुरादाबाद की रामगंगा विहार, जिगर कॉलोनी, सिविल लाइंस सहित दर्जनों कालोनियों कई दिन तक नदी के पानी में डूब गई थी।

17 जुलाई तक इन मार्गों से गुजरेंगे भारी वाहन, सुबह छह से शाम चार बजे तक रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

मुरादाबाद-बिजनौर, हरिद्वार की रोडवेज बसें अस्थाई बस स्टैंड से व अन्य भारी वाहन ठाकुरद्वारा, काशीपुर, जसपुर, शेरकोट, धामपुर होते हुए बिजनौर-हरिद्वार जाएंगे श्रावण महीने के पहले सोमवार और 15 जुलाई को शिवरात्रि पर जलाभिषेक के लिए लाखों कांवड़ियों के आने को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने अब यातायात डायवर्जन को पहले चरण में 17 जुलाई तक प्रभावी कर दिया है। इसके बाद आगामी दिनों में शुक्रवार से सोमवार तक इसका पालन करना होगा। बरेली से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहन मिलक, शाहाबाद होकर जाएंगे। जबकि मुरादाबाद से बिजनौर, हरिद्वार की रोडवेज बसें अस्थाई बस स्टैंड से व अन्य भारी वाहन ठाकुरद्वारा, काशीपुर, जसपुर, शेरकोट, धामपुर होते हुए बिजनौर-हरिद्वार जाएंगे। प्रशासन ने लोगों को कांवड़ यात्रा के दौरान परिवर्तित यातायात व्यवस्था का पालन करने के लिए कहा है। श्रावण महीने का पहला सोमवार 10 जुलाई को पड़ेगा। इसी सप्ताह में 15 जुलाई को श्रावण मास की शिवरात्रि है। जिस दिन बड़ी संख्या में शिवभक्त गंगाजल से अपने आराध्य भोलेनाथ का अभिषेक करने के लिए हरिद्वार, बृजघाट से पवित्र गंगा जल लेकर आते हैं। दस लाख से अधिक कांवड़ियों के आने का अनुमान यातायात पुलिस अधीक्षक को है। इसको देखते हुए रविवार से रूट डायवर्जन प्रभावी कर दिया गया है। यह व्यवस्था अब 17 जुलाई तक हर दिन नियमित रूप से लागू रहेगा। इसके बाद 21 जुलाई से 28 अगस्त तक के दिनों में हर सप्ताह शुक्रवार से सोमवार तक सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने रामपुर, संभल, बिजनौर व अमरोहा के जिले एसपी को भी व्यवस्था पालन में सहयोग के निर्देश दिए हैं। ट्रैफिक डायवर्जन के अनुरूप संबंधित थानाध्यक्ष एवं प्रभारी निरीक्षक यातायात अपने क्षेत्र में पड़ने वाले स्थलों पर ड्यूटी लगाएंगे। उनका कहना है कि ट्रैफिक डायवर्जन में मार्ग और समय जरूरत के हिसाब से परिवर्तन किया जाएगा। फिलहाल पुलिस संख्या देखकर शहर के मार्गों पर यातायात को डायवर्ट करने को कहा है। यातायात निरीक्षक पवन कुमार त्यागी ने बताया कि ट्रैफिक डायवर्जन प्रभावी है। शनिवार को बिजनौर मार्ग पर शहर का यातायात सामान्य रखा गया लेकिन, भारी व लोडेड वाहनों का अवागमन रोका गया। ट्रैफिक की यही स्थिति दिल्ली रोड पर भी रही।

ट्रैफिक डायवर्जन रूट निर्धारित

मुरादाबाद से बिजनौर/हरिद्वार जाने वाली रोडवेज बसें अस्थाई बस स्टैंड से व अन्य भारी वाहन ठाकुरद्वारा, काशीपुर, जसपुर, अफजल गढ़, शेरकोट, धामपुर होते हुए बिजनौर व हरिद्वार की ओर आवागमन करेंगे। मुरादाबाद से बिजनौर की ओर जाने वाले हल्के वाहन वाया टीएमयू अस्पताल से शेरुआ चौराहा, छजलैट, नूरपुर होकर बिजनौर जाएंगे। इसी मार्ग से वापस भी आएंगे। वाहन ठाकुरद्वारा, जसपुर, अफजल गढ़, शेरकोट, धामपुर, नहटोर, झालू होकर बिजनौर की तरफ आवागमन करेंगे। बिजनौर रोड से बरेली/रामपुर जाने वाले हल्के वाहन कोठीवाल डेंटल कॉलेज कट से ठाकुरद्वारा बाईपास होकर भोजपुर होते हुए काशीपुर तिराहा होकर रामपुर-बरेली जाएंगे। कांवड़ियों की संख्या एवं मार्ग की व्यस्तता के दृष्टिगत बिजनौर की तरफ से आने वाले हल्के वाहन अगवानपुर बाईपास से टीएमयू की तरफ से हाईवे से रामपुर-बरेली की तरफ पास कराए जाएंगे। मुरादाबाद से बिजनौर, हरिद्वार व मुजफ्फरनगर को जाने वाले भारी वाहन मुरादाबाद से ठाकुरद्वारा, जसपुर, अफजलगढ़, धामपुर, बिजनौर से जाएंगे। मुरादाबाद से बिजनौर, हरिद्वार जाने वाले वाहन बिलारी, सिरसी, संभल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलंदशहर होकर बिजनौर-हरिद्वार पहुंचेंगे। बरेली से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहन वाया मिलक, शाहबाद, बिलारी, सिरसी, संभल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलंदशहर, हापुड़, गाजियाबाद होकर दिल्ली आवागमन करेंगे। रामपुर से मुरादाबाद की ओर आने वाला भारी वाहन वाया शाहबाद, बिलारी होकर आवागमन करेंगे। रोडवेज बसें अस्थाई स्टैंड आजाद नगर पहुंच सकेंगी। मुरादाबाद से दिल्ली एवं मेरठ की ओर जाने वाली रोडवेज बसें अस्थाई स्टैंड आजाद नगर कटघर से बिलारी, सिरसी, संभल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलंदशहर होकर दिल्ली-मेरठ के लिए आवागमन करेंगे।

मुरादाबाद में ढेला व अमरोहा में गंगा का जलस्तर बढ़ा, रामपुर में नदियां उफनाईं... संभल में बाढ़ से निपटने के किए इंतजाम

मुरादाबाद- मंडल के पांचों जिलों में बारिश का दौर जारी है। बिजनौर में शनिवार को नदियों का जलस्तर सामान्य रहा। नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। बाढ़ से निपटने को जिला प्रशासन व सिंचाई विभाग ने संवेदनशील स्थलों पर बाढ़ चौकियां स्थापित की हैं। लेखपाल, राजस्व कर्मी, पुलिस बल एवं सिंचाई विभाग के जूनियर इंजीनियर्स की चक्रीय क्रम में ड्यूटी लगाई गई है। रामपुर में शनिवार तक औसतन 70.3 मिलीमीटर बारिश हुई है। यह सामान्य से आठ मिमी कम है। नहर खंड के अधिशासी अधिकारी सियाराम ने बताया कि मानसून देर से आया। इसके बाद पांच, छह और सात जुलाई को अधिक बारिश हुई। तीन दिन से हो रही बारिश से नदियां उफना गई हैं। संभल के गुन्नौर क्षेत्र से गुजर रही गंगा में जलस्तर बढ़ने पर पांच गांवों में बाढ़ की आशंका के मद्देनजर तैयारी की गई है। तहसीलदार दीपक चौधरी ने बताया कि 12 शरणार्थी केंद्र, एक प्लाटून पीएसी व एक कंपनी गोताखोरों का प्रबंध किया गया है। शनिवार को नरौरा बैराज से निचले स्तर पर 35320 क्यूसेक पानी छोड़ा गया जबकि ऊपरी सतह पर 46312 क्यूसेक पानी बह रहा है। उधर, अमरोहा में भी तीन दिन से रुक-रुक बारिश हो रही है। गजरौला में गंगा का जलस्तर बढ़ा हुआ है। शनिवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने गंगा धाम तिगरी के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र और गंगा के कटान सहित अन्य जगहों का निरीक्षण किया। डीएम ने नाव में सवार होकर बाढ़ खंड के अधिकारियों के साथ जायजा लिया। कई जगह कटान देख अधिकारियों को रोकथाम के निर्देश दिए। मुरादाबाद में बारिश की वजह से ढेला नदी का जलस्तर बढ़ गया है। करीब 12 घंटे से ढेला नदी का पानी मुरादाबाद-विवेकानंद पुल- काशीपुर रोड पर इस्लाम नगर, काफियाबाद के पास सड़क के ऊपर से बह रहा है। इसके अलावा 12 से अधिक गांवों में ढेला नदी का पानी घुस गया है। खेतों में करीब 2 से 3 फीट तक पानी है।

कांवड़ यात्रा...थाना स्टाफ के साथ 975 अतिरिक्त पुलिसकर्मी देंगे सुरक्षा, तीन लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान

मुरादाबाद- कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पुलिस विशेष रूप से सतर्क की गयी है। प्रशासन को उम्मीद है कि सोमवार से यात्रा में गहमागहमी शुरू हो जाएगी। जिसमें श्रद्धालुओं की संख्या करीब ढाई से तीन लाख तक होने का अनुमान है। यहां कांवड़िये जत्थे में यात्रा करते हैं। इनमें 30 से 350 तक जत्थे हो सकते हैं। यात्रा के नोडल अधिकारी एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया की मानें तो अधिकारियों से चर्चा के बाद जिले को नौ जोन में बांटा गया है। जोन वार व्यवस्था रखने से यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनकी निकासी में आने वाली प्रत्येक बाधा को आसानी से निस्तारित किया जा सकेगा। वैसे उन्हें भरोसा है कि इंतजाम को देखते हुए कांवड़ यात्रा की निकासी में कोई बाधा नहीं आएगी। व्यवस्था में लगे प्रत्येक पुलिस अधिकारी और कांस्टेबल को प्रशिक्षित भी किया गया है। हर जोन में सीओ-इंस्पेक्टर अतिरिक्त रूप से लगाए गए हैं। प्रत्येक जोन में थाना स्टाफ के अलावा कुल 975 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। यह फोर्स संबंधित थानों में पहुंच भी गया है। फोर्स को सक्रिय कर दिया गया है। उधर, पुलिस अधीक्षक यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि कांठ, छजलैट, पाकबड़ा, मूंढापांडे, सिविल लाइन, मझोला और नागफनी थाना क्षेत्रों में कांवड़ियों पर नजर रखने के लिए सीसी कैमरे लगाए गए हैं। पाकबड़ा व मूंढापांडे में जीरो प्वाइंट पर सीसी कैमरे लगे हैं। अन्य थाना क्षेत्रों में भी विभिन्न स्थानों पर सीसी कैमरे लगाए गए हैं। ऐसे सभी थाना क्षेत्रों में 80 से भी अधिक सीसी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा अस्थाई तौर पर दो बस स्टैंड बना दिए गए हैं, जहां से परिवहन निगम की बसों का आवागमन रहेगा। सोमवार से प्रत्येक थाना क्षेत्र में प्रभारी निरीक्षक ड्रोन से भी व्यवस्था की निगरानी कराएंगे। यातायात निरीक्षक पवन कुमार त्यागी ने बताया कि ट्रैफिक डायवर्जन भी लागू कर दिया गया है। पहले दिन शनिवार को बिजनौर मार्ग पर शहर का यातायात सामान्य रखा गया लेकिन, भारी व लोडेड वाहनों का अवागमन रोका गया। ट्रैफिक की यही स्थिति दिल्ली रोड पर रही है। उन्होंने बताया कि कांवड़ियों की संख्या देखकर शहर के यातायात को डायवर्ट किया जाएगा।

कांधे पर कांवड़ और जुबां पर बम-बम भोले

शहर की सड़कों पर बम-बम भाले के जयकारे गूंजने लगे हैं। कांधे पर कांवड़ लिए कांवड़िये आने शुरू हो गए हैं। शनिवार को भी बारिश के बीच शिवभक्त शिवालयों की ओर चले जा रहे हैं। बारिश में भी शिवभक्तों का जोश और उत्साह बरकरार रहा। 10 जुलाई को सावन माह का पहला सोमवार है। इस दिन शिवालयों में आकर शिवभक्त महादेव का अभिषेक करेंगे। हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़िये शिवालयों के लिए रवाना हो चुके हैं। हालांकि अभी सड़कों पर उतनी संख्या नहीं है। लेकिन, शिवरात्रि के नजदीक आते-आते सड़कों पर शिवभक्तों की संख्या बढ़ने लगेगी। सुबह भी कांवड़िये बारिश के बीच शिवालयों की ओर कूच करते दिखे।

कांवड़ क्षेत्र में ऐसे तय है ड्यूटी

प्रत्येक जोन में एक-एक क्षेत्राधिकारी व इंस्पेक्टर को जिम्मेदारी दी गयी है। इनके अलावा संबंधित थाना क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षक व उनका स्टॉफ सक्रिय रहेगा। इनके सहयोग में 92 दारोगा, 152 हेड कांस्टेबल, 416 कांस्टेबल, 147 महिला कांस्टेबल, 150 होमगार्ड भी तैनात किए गए हैं। कांवड़ियों के लिए निर्देश- निर्धारित अपने मार्ग पर ही चलें। मार्ग किनारे लगाए गए शिविर में विश्राम करें। कांवड़/डीजे की ऊंचाई 12 फिट से अधिक न रखें। डीजे निर्धारित मानक के अनुरूप ही बजाएं। सहजता से निकलें, आप सीसी कैमरे की निगरानी में हैं। सड़क पर विश्राम कतई न करें, नियम पालन करें। कांवड़ियों के स्वागत में बोर्ड भी लगे हैं, इन पर 112 नंबर भी अंकन है। कांवड़ यात्रा की व्यवस्था में बनाए गए जोन -थाना क्षेत्र - जोन संख्या कांठ-छजलैट- प्रथम सिविल लाइन- मझोला - द्वितीय कोतवाली-मुगलपुरा - तृतीय 84 घंटा मंदिर - नागफनी चतुर्थ कटघर - गलशहीद -पांचवां दस सराय चौकी-जयंतीपुर छठवां पाकबड़ा-मूंढापांडे - सातवां ठाकुरद्वारा, भोजपुर, भगतपुर, डिलारी आठवां बिलारी, कुंदरकी, मैनाठेर, सोनकपुर नौवां कांवड़ियों के लिए हेल्पलाइन नंबर 9258109430

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिला प्रशासन लुधियाना बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है: डिप्टी कमिश्नर

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना- पूरे राज्य और हिमाचल प्रदेश के जलग्रहण क्षेत्रों में पिछले 2 दिनों में भारी बारिश के कारण; नदियों और नहरों में पानी का प्रवाह बढ़ गया है। जिला प्रशासन लुधियाना बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। नगर निगम लुधियाना और एक्सईएन ड्रेनेज की टीमें यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं कि क्रमश: शहर और जिले में जल-जमाव न हो। रोपड़ हेडवर्क्स से पानी छोड़ दिया गया है जो दोपहर तक लुधियाना सतलुज पहुंच जाएगा। आसपास की पंचायतों को अलर्ट पर रहने की सलाह दी गई है और कहा गया है कि कोई भी तटबंध के पास न जाए। इसके अलावा, बुड्ढा दरिया में प्रवाह के बढ़ते स्तर के कारण, दरिया के किनारे निचले इलाकों और घरों/झुग्गियों पर विशेष रूप से निगरानी बढ़ा दी गई है। सभी टीमें स्टैंडबाय पर हैं; सभी राजस्व अधिकारी मुनादी करवा रहे हैं और जरूरत पड़ने पर राहत शिविरों के लिए ऊंची जमीन की पहचान कर रहे हैं। जरूरत पड़ने पर तत्काल मदद के लिए जिला प्रशासन गैर सरकारी संगठनों/औद्योगिक संघों/गुरुद्वारों के साथ भी गठजोड़ कर रहा है। जिला प्रशासन लुधियाना ने एनडीआरएफ जैसी सभी राहत एजेंसियों के साथ भी समझौता किया है, सभी उपकरणों और कर्मचारियों का आविष्कार किया है और सड़कों पर जल जमाव से निपटने के लिए एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी के साथ गठजोड़ कर रहा है।

सीटी यूनिवर्सिटी में फहराया गया 25 मीटर का राष्ट्रीय ध्वज

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना- चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव की भावना में, सीटी यूनिवर्सिटी के छात्र कल्याण विभाग ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से सीटी यूनिवर्सिटी में एक भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया। एकता और देशभक्ति को बढ़ावा देने की संस्था की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर। समारोह का मुख्य आकर्षण 25 मीटर के शानदार झंडे की स्थापना थी, जो इस क्षेत्र के सबसे बड़े झंडे में से एक है, जो सीटी यूनिवर्सिटी में गर्व से ऊंचा खड़ा है। यह स्मारकीय ध्वज हमारे महान राष्ट्र के प्रति हमारे गहरे प्रेम और अटूट भक्ति का प्रतीक है। सम्मानित अतिथि 3 पीबी बीएन एनसीसी लुधियाना के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नरेश कुमार, सम्मानित मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित हुए। अपनी टिप्पणी में, कर्नल नरेश कुमार ने इस आयोजन के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए

कहा, 卐सीटी विश्वविद्यालय में इस तरह के भव्य ध्वजारोहण समारोह को देखकर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। एनसीसी, एनएसएस कैडेटों के साथ-साथ छात्रों द्वारा दिखाया गया समर्पण और उत्साह फाउंडेशन क्लास सराहनीय है। यह झंडा एकता और ताकत के प्रतीक के रूप में कार्य करता है, जो हमें हमारे राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। चांसलर चरणजीत सिंह चन्नी ने भी इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, 卐सीटी यूनिवर्सिटी इस महत्वपूर्ण ध्वजारोहण समारोह की मेजबानी करने में बहुत गर्व महसूस करती है। एकता और देशभक्ति के मूल्यों को बनाए रखने के लिए हमारे छात्रों की सक्रिय भागीदारी और समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। यह ध्वज यह हमारे समाज में सकारात्मक योगदान देने वाले जिम्मेदार नागरिकों को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इस अवसर पर चांसलर चरणजीत सिंह चन्नी, वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह, प्रो वाइस चांसलर (कार्यवाहक) अभिषेक त्रिपाठी, निदेशक योजना एवं विकास डॉ. अति प्रिये, उप निदेशक, छात्र कल्याण विभाग दविंदर सिंह, डीन अकादमिक डॉ. अवधेश कुमार गुप्ता, स्कूलों के प्रमुख, संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन कारागार का आकस्मिक निरीक्षण कर लिया जायजा

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने निर्माणाधीन जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन जेल का प्रशासनिक भवन, टाइप-4 आवास, मल्टी परपज हाल, मुलाकाती, विजिटर शेट, आईडेंटीफिकेशन शेड, पुलिस चौकी, वाच टावर, सब स्टेशन, गैरेज, पार्किंग, पुरूष, बैरक, महिला बैरक, किचन शेड, आइसोलेशन कक्ष, मेन वाल, पार्टीशन वाल, सर्किल वाल, कैम्पस वाल, गोदाम एवं समस्त गेट लगने का कार्य पूर्ण पाया गया। जिलाधिकारी ने राजकीय निर्माण निगम के अवर अभियंता को निर्देश दिया है कि जेल के अधूरे निर्माणाधीन कार्यों को युद्धस्तर पर कार्य कराकर माह जुलाई के अन्त तक पूरा करा लिया जाए, ताकि समय से जेल का निर्माण कार्य पूरा होकर जिले के बंदियों को रखा जा सके। इस अवसर पर अवर अभियंता रजनीश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सांसद अरोड़ा ने नागरिकों को असुविधा कम करने के प्रयासों के लिए जिला प्रशासन की सराहना की

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना- पूरे राज्य में पिछले दो दिनों में लगातार बारिश के कारण चिंताजनक स्थिति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, लुधियाना से क्आप% सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा ने लुधियाना के लोगों से कहा कि वे घबराएं नहीं क्योंकि जिला प्रशासन के तहत डीसी सुरभि मलिक और नगर निगम आयुक्त डॉ. शेना अग्रवाल चुनौती से निपटने के लिए सभी पर्याप्त उपाय कर रहे हैं। सभी संबंधित अधिकारी स्थिति से निपटने के लिए 24×7 काम कर रहे हैं। जिले के सभी प्रभावित क्षेत्रों में टीमें भेज दी गई हैं। अरोड़ा ने जिला लुधियाना में माछीवाड़ा के पास गांव सेंसोवाल खुर्द से 5 महिलाओं और 4 बच्चों सहित 22 लोगों को बचाने में त्वरित कार्रवाई करने के लिए जिला प्रशासन लुधियाना की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये लोग एसबीएस नगर में नदी के दूसरी ओर खेतों में धान बोने गए थे और जलस्तर बढ़ने पर फंस गए। उन्होंने कहा कि एक विशेष नाव भेजी गई और इन 22 लोगों को गांव धुलेवाल वापस लाया गया। अरोड़ा ने सभी जिलों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और स्थिति की नियमित निगरानी करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की भी प्रशंसा की। अरोड़ा ने कहा कि यह गंभीर स्थिति न केवल लुधियाना और जिले के अन्य हिस्सों में बल्कि देश भर के कई अन्य हिस्सों में पैदा हुई है। 卐लेकिन, लोगों को चिंता करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि जिला प्रशासन लुधियाना के अधिकारी सतलुज नदी पर कड़ी नजर रख रहे हैं卐, उन्होंने कहा, लोगों को डीसी लुधियाना सुरभि मलिक द्वारा जारी एक सामान्य सलाह का पालन करना चाहिए जिसमें उल्लेख किया गया है सावधान रहना चाहिए, जब तक आवश्यक न हो भीड़भाड़ वाले/जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचना चाहिए और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इकौना का आकस्मिक निरीक्षण कर लिया जायजा

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इकौना का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल में मौजूद मरीजों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना और डॉक्टर द्वारा मरीजों को दी जा रही चिकित्सीय सुविधा की भी जानकारी ली। इस दौरान जिलाधिकारी ने पंजीकरण काउंटर, दवा वितरण काउंटर, प्रसव कक्ष, एक्स-रे वार्ड, जनरल वार्ड, जननी सुरक्षा वार्ड, नवनिर्मित ड्रग वेयर हाउस, मुख्य औषधि भंडार, पी0आई0सी0यू0 वार्ड, आपरेशन थियेटर, बी0पी0एम0यू0 कक्ष, यू0आई0पी0 स्टोर, इमरजेंसी वार्ड, ओ0पी0डी0 मरीज पंजिका, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत

बनाए जा रहे गोल्डेन कार्ड कक्ष, आदि का बारीकी से निरीक्षण कर जानकारी ली, और सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त रखने का निर्देश दिया। आयुष्मान कक्ष में निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आयुष्मान मित्र को फील्ड में भी जाकर पात्रों को प्रेरित कर कार्ड बनाकर लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि अभियान चलाकर परिवार नियोजन कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाए। उन्होने कहा कि अस्पतालों में पुरूष महिला नसबन्दी, महिलाओं को प्रसव के बाद कापर टी, अंतरा इंजेक्शन, छाया टेबलेट, ओरल पिल्स, माला एन एवं निरोध भी मुफ्त दिया जा रहा है, जिसके प्रति लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि जरूरतमन्द इसे अपनाकर अपना जीवन खुशहाल बना सकें।जिलाधिकारी ने कहा कि मरीजों को मानवीय संवेदनाओं के साथ सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाएं अनिवार्य रूप मुहैया कराई जाय। प्रसव के लिए आई महिलाओं की डिलवरी के बाद उनकी और उनके नवजात शिशुओं की बेहतर ढंग से देखभाल की जानी चाहिए, अगर लापरवाही की शिकायत मिली तो निश्चित ही कार्यवाही की जाएगी। उन्होने यह भी कहा कि प्रसव कक्ष एवं जच्चा-बच्चा वार्ड में मरीजों को कोई दिक्कत न होने पावे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा में हीला-हवाली अब बर्दाश्त नही की जाएगी और लापरवाही बरतने पर चिकित्सक/पैरामेडिकल कर्मियो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

विक्रम शर्मा हिमाचल प्रदेश को अध्यक्ष और वकील मुकेश पंडित हिमाचल प्रदेश के मुख्य बुलारा नियुक्त

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना- अखिल भारतीय मानवाधिकार परिषद की एक विशेष बैठक पंजाब अध्यक्ष चेत राम रतन के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता पंजाब अध्यक्ष लीगल सेल एडवोकेट विशाल शर्मा ने की। इस अवसर पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रीय अध्यक्ष आसा सिंह आजाद ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विक्रम शर्मा को हिमाचल प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मुकेश कुमार पंडित को हिमाचल प्रदेश का मुख्य प्रवक्ता, अजय कुमार को जिला अध्यक्ष हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, सजीव कुमार को जिला सचिव हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश नियुक्त किया गया। उन्होंने संविधान के बारे में जानकारी दी। संगठन ने संगठन के नियमों के बारे में बताया और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को रोकने के लिए विचारों पर चर्चा की। इसके साथ ही आजाद ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी । इस मौके पर महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष मान ने कहा कि संगठन महिलाओं पर हो रहे अत्याचार रोकने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। इस मौके पर पंजाब अध्यक्ष चेत राम रतन ने जानकारी देते हुए बताया कि निकट भविष्य, उत्तराखंड और हरियाणा में जल्द ही टीमें बनाकर काउंसिल का नाम ऊंचा किया जाएगा। इस मौके पर पंजाब लीगल सेल के एडवोकेट विशाल शर्मा ने बताया कि आने वाले दिनों में दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और अन्य राज्यों की टीमों का गठन किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरमेल सिंह भारत ने कहा कि पूरे भारत में खेल विंग की टीमें बनाकर युवाओं को नशे की लत से दूर किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष एटी क्राइम ने अपने वक्तव्य के माध्यम से कहा कि अंटी क्राइम सेल को मजबूत करने के लिए भारत में जल्द ही अंटी क्राइम सेल की ओर से समूह भारत में टीमों का गठन किया जाएगा। महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष पवनजीत कौर मान ने प्रेस को जानकारी देते हुए कहा कि भारत में महिला विंग की टीमें बनाकर महिला विंग को मजबूत करके महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोका जाएगा।

देवरिया का अजय देवगन: पति ने प्रेमी के साथ करा दी पत्नी की शादी, पर लड़की नहीं निभा पाई एश्वर्या का किरदार

आस-पड़ोस में लोग इस पूरे मामले को जानने के बाद से फिल्म हम दिल दे चुके सनम की मिसाल बता रहे हैं। पति ने अपनी पत्नी का उसके प्रेमी के साथ विवाह करा दिया। दोनों की अभी पखवाड़े भर पहले ही शादी हुई थी। भतीजे के बर्थडे में शामिल होने का बहाना कर मायके आई नवविवाहिता प्रेमी के घर पहुंच गई थी। मायके और ससुराल पक्ष की मौजूदगी में दोनों ने एक-दूसरे का हाथ थाम लिया। देवरिया के रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के एक युवती का विवाह 24 जून को कुशीनगर जिले के एक युवक से हिंदू रीति रिवाज से हुआ। विवाह से पहले ही युवती का गांव के ही एक युवक से प्रेम संबंध चलता है। विवाह के महज 10 दिन बाद उसने ससुराल वालों से भतीजे का बर्थडे होने की बात कही और मायके के लिए निकल पड़ी। वह मायके न आकर अपने प्रेमी के घर पहुंच गई। दो दिन पहले ससुराल में मायके वालों से विवाहिता के घर पहुंचने की बात पूछी। यह सुनते ही मायके वालों के होश उड़ गए। दोनों पक्षों ने उसे ढूंढना शुरू किया और नहीं मिलने पर रामपुर कारखाना पुलिस को जानकारी दी। शनिवार को पुलिसकर्मी प्रेमी के घर पहुंच गए। पहले तो वह इनकार करता रहा लेकिन पुलिस के कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने युवती के घर में होने की बात स्वीकार कर ली।

महिला पुलिसकर्मियों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने विवाहिता को बरामद कर लिया। पुलिस प्रेमी और युवती को थाने लाई। रात 12 बजे तक चली पंचायत के बाद पति ने दोनों को एक करने का फैसला कर लिया। मायके और ससुराल पक्ष के लोगों की मौजूदगी में प्रेमी और नव विवाहिता ने एक दूसरे का हाथ थाम लिया। पुलिस ने दोनों को कोर्ट मैरिज करने की बात पर साथ जाने दिया। इसके बाद मायके और ससुराल पक्ष के लोग लिखित समझौता कर घर वापस हो गए। दोनो पक्षों ने किया आपस में समझौता, थाने में जमा करना होगा कोर्ट मैरेज का प्रमाण पत्र -प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय ने कहा कि युवती के मायके और ससुराल पक्ष के लोगों ने आपस में समझौता कर लिया है। युवक और नवविवाहित को अब कोर्ट मैरिज करने के बाद इसका प्रमाण पत्र थाने में जमा करने को कहा गया है। फिल्म हम दिल दे चुके सनम जैसी कहानी-आस-पड़ोस में लोग इस पूरे मामले को जानने के बाद से फिल्म हम दिल दे चुके सनम की मिसाल बता रहे हैं। फिल्म में एक्टर अजय देवगन जैसे अपनी पत्नी को उसके प्रेमी को मिलवाता है वैसी ही इस मामले में पति अपनी पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करवा देता है। हालांकि फिल्म में एक्ट्रेस एश्वर्या राय सलमान से शादी न करके अपने पति अजय देवगन के पास वापस लौट आती है लेकिन यहां ऐसा नहीं होता है।

गायब हुई छात्रा, फिर मिली लाश: पुलिस ने कहा- जिस पर शक हो...सुबह बताना, मां बोली- दुष्कर्म के बाद बेटी को मारा

कन्नौज जिले में तिर्वा कोतवाली क्षेत्र में ठठिया थाना क्षेत्र में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा की मौत को लेकर परिजन पुलिस से नाराज हैं। बेटी का शव मिलने की जानकारी से मां बदहवास हो गई। होश आने पर यही कहा कि पुलिस ने मदद नहीं किया। रात में चौकी इंचार्ज आए थे। सहेलियों का नाम लिखकर ले गए। कहा अभी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस अगले दिन जांच और कार्रवाई की बात कहकर चली गई और बाद में छात्रा के संग वारदात हो गई। हालांकि वारदात के बाद पुलिस की सक्रियता बढ़ गई। ठठिया थाना क्षेत्र के एक गांव में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा का शव मिलने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म है। परिजन सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगा रहे हैं। मां ने बताया कि बेटी दोपहर में कॉलेज से नहीं आई, तो घबराहट हुई। मोबाइल भी बंद हो गया, तो उसकी खोजबीन में जुट गए थे। छात्रा के न मिलने पर परिजन सबसे पहले आरोपी युवक के घर गए, लेकिन बताने से इनकार कर दिया।

बेटी की सहेलियों के नाम लिखकर चली गई

इसके बाद परिजनों ने ठठिया थाना पहुंचकर गुमशुदगी की तहरीर पुलिस को दी। परिजनों के मुताबिक देर रात सुर्सी चौकी प्रभारी हरिकृष्ण मामले की छानबीन करने के लिए मौके पर पहुंचे। छात्रा की मां ने बिलखते हुए बताया कि चौकी प्रभारी ने रात को घर आकर बेटी की सहेलियों के नाम, तो नोट कर लिया।

पुलिस की लापरवाही को लेकर आक्रोश

कार्रवाई के लिए बोले जिन पर शक है, उनके नाम अगले दिन बताना। यह कहकर चले गए। घटना के दूसरे दिन खोजबीन के दौरान छात्रा का शव पड़ा मिला। परिजनों का कहना है कि अगर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया होता, तो शायद बेटी की जान बच जाती। पुलिस की लापरवाही को लेकर परिजनों में नाराजगी है।

शव मिलते ही परिजनों ने जताई थी दुष्कर्म की आशंका

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छात्रा के शरीर पर चोंट के निशान मिले हैं। रिपोर्ट में दुष्कर्म की बात सामने आई है। मुंह दबाकर हत्या की गई। शव मिलने के बाद से ही परिजन दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जता रहे थे। हालांकि पुलिस इस मामले में कुछ भी साफ तौर पर कहने से बच रही है।

गांव के बाहर से गायब हुई थी छात्रा

छात्रा के भाई ने बताया कि शुक्रवार को बहन पेपर देने गई थी। दोपहर करीब दो बजे के आसपास बहन को टेंपो से उतरते हुए देखा गया था। उसके हाथ में आम की थैली थी। गांव के बाहर से छात्रा गायब हो गई थी। जिसके बाद से उसको नहीं देखा गया।

ढाई महीना पहले हुई थी छात्रा की सगाई

भाई ने बताया कि परिवार वालों ने बहन की शादी इटावा के एक गांव में तय कर दी थी। ढाई माह पहले उसकी सगाई हुई थी। अक्तूबर-नवंबर में निकाह होना था। लेकिन निकाह की तारीख अभी पक्की नहीं हुई थी। बताया कि शादी को लेकर घर में तैयारियां चल रही थीं। उसके पहले ही उसके साथ वारदात हो गई। पूरा परिवार सदमे में है।

डेढ़ साल पहले युवक के खिलाफ की थी शिकायत

छात्रा के भाई ने बताया कि गांव का ही रहने वाला एक युवक काफी से समय से बहन को परेशान कर रहा था। करीब डेढ़ साल पहले बहन को परेशान करने पर परिजनों ने उसकी पुलिस से शिकायत की थी। लेकिन दबाव डालकर मामले में समझौता करा दिया गया था।

जानकारी देने से बचती रही पुलिस, सीओ भी टाल गए

छात्रा की हत्या के मामले में पुलिस बैकफुट पर रही। पूरे दिन चकरघिन्नी रही पुलिस कुछ भी बताने से बचती रही। शाम में सीओ तिर्वा शिवप्रताप सिंह से जानकारी चाही गई, तो उन्होंने कुछ भी बताने से इनकार दिया। कहा कि उन्हें कुछ भी नहीं पता है। उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है। इसलिए उनको कुछ नहीं पता।

ग्राम पंचायत कचनापुर में शीशम के लगभग 30 पेड़ प्रतिबंधित काटे गए

अरविन्द कुमार यादव
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- विकासखंड गिलौला के अंतर्गत ग्राम निवासी कचना पुर बदलू राम उर्फ बुद्धूल भग्गान के खेत से शीशम सागवान के पेड़ काट लिए गये हैं लेकिन लकड़ कट्टों के हौसले बुलंद हैं रातो रात बिना वन विभाग के सूचना के काफी संख्या में लकड़ी काट कर ले जाते हैं जबकि सरकार द्वारा वन महोत्सव का कार्यक्रम चल रहा है और जंगल विभाग काफी पौधरोपण कर रहा है हर प्रशासनिक अधिकारी पौधारोपण कर रहे हैं फिर भी लकड़ कट्टों के हौसले बुलंद हैं इस संबंध में वन दरोगा से बात करने पर बताया गया कि जांच किया जा रहा है और जांच करके तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी ।

एस.एस.बी.ने स्कूल के छात्रों को कराया भारत - नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा का भ्रमण

लंकीन प्रसाद वर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती-श्रावस्ती संदीप कुमार जेटली, द्वितीय कमान अधिकारी (कार्यवाहक कमान्डेंट) 62वीं वाहिनी स.सी.ब., भिनगा के दिशा निर्देशन में एवं 'सी' कम्पनी गुज्जरगौरी प्रभारी उप-निरीक्षक गुरबचन सिंह के नेतृत्व में कल्चू राम इन्टर कालेज बेचुआ के छात्रों को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में थीम के तहत सीमा भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के दौरान उप-निरीक्षक गुरबचन सिंह ने कल्चू राम इन्टर कालेज बेचुआ के 20 छात्रों को भारत -नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा का भ्रमण कराया 7 उन्हें सीमा स्तंभों, **NO MAN LAND** आदि के बारे में बताते हुए दोनों राष्ट्रों के बीच राजनैतिक व् सामाजिक संबंधों के बारे में जानकारी दी और भारत का नेपाल देश के साथ मैत्री संबंधो के महत्त्व के बारे में समझाया 7 इसके बाद 'सी' कम्पनी मुख्यालय गुज्जरगौरी में आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन कर छात्रों को इसके बारें में जानकारी दी गई 7 इस सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान सहायक उप निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक भीष्म सिंह व् अन्य जवान और कल्चू राम इन्टर कालेज बेचुआ के अध्यापक साकेत कुमार के साथ स्कूल के छात्र व् छात्राएं उपस्थित रहे

बनारस में टमाटर की सुरक्षा के लिए सपा कार्यकर्ता ने रखा बाउंसर, बोला- लूट के डर से सुरक्षा जरूरी

आपने अक्सर सोने-चांदी की दुकान पर या किसी शोरूम के बाहर बाउंसर खड़े हुए देखे होंगे। लेकिन बनारस में एक सब्जी विक्रेता अपनी दुकान पर दो बाउंसर खड़ा कर सब्जी बेच रहा है। टमाटर की महंगाई को देखते हुए विरोध जताने के लिए उसने ऐसा किया है। टमाटर का भाव इन दिनों आसमान पर है। वाराणसी समेत देश के कई शहरों में टमाटर का दाम पेट्रोल से ज्यादा हो गया है। पखवाड़े पहले तक टमाटर 15 से 20 रुपये प्रति किलो मिल रहा था जो जुलाई के पहले दिन से ही लगातार महंगा होता चला जा रहा है। वाराणसी में टमाटर 120 से 150 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। इसे देखते हुए लंका क्षेत्र के नगवां में सब्जी बेचने वाले सपा कार्यकर्ता अजय फौजी ने विरोध जताने के लिए अपनी दुकान पर बाउंसर को तैनात किया है। उसने पोस्टर भी लगाया है। जिसमें लिखा है कि पहले पैसे तब टमाटर। कृपया टमाटर को न छुएं।इस बाबत सब्जी दुकानदार अजय फौजी ने बताया कि टमाटर काफी महंगा हो गया है। महंगाई की मार में लोग लोग 100 और 50 ग्राम ले रहे हैं। कई जगहों से सूचना आई कि टमाटर को लेकर मारपीट हो रही है। तो कहीं टमाटर लूट लिया जा रहा है। हर जगह टमाटर के कारण विवाद की स्थिति हो गई है। विवाद से बचने के लिए दुकान पर अपनी और टमाटर की सुरक्षा के लिए दो बाउंसर को तैनात किया है। जब सारे टमाटर बिक जाएंगे तो इन बाउंसर को छुट्टी कर देंगे।दुकान के बाहर बाउंसर खड़े हैं। कोई भी ग्राहक जब सब्जी छूकर मोलभाव करता है तो तो बाउंसर उसे रोक ले रहे हैं। कहते हैं कि आपको जो चाहिए मांग कर लीजिए। पहले पैसा दीजिए फिर टमाटर लीजिए। वहीं मौके पर मौजूद कई लोगों ने कहा कि दुकानदार सपा कार्यकर्ता है। इसी वजह से वह महंगाई का इस तरह से विरोध कर चर्चा में आना चाहता है। अब इस दुकान की चर्चा पूरे शहर में होने लगी है।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

जिम्मेदारों ने नहीं सुनी फरियाद तो ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनाई सड़क, बोले- कितना इंतजार करें

सोनभद्र जिले के बीडर गांव के डोंगाबहरा बस्ती में जाने वाला खड़ंजा युक्त मार्ग बदहाल है। ग्रामीणों ने अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई लेकिन किसी ने नहीं सुनी। थक-हार कर ग्रामीणों ने खुद से मार्ग को संवारने का संकल्प लिया और रविवार को वह फावड़ा, कुदाल लेकर कार्य के लिए घर से निकल आए। जब अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने गुहार नहीं सुनी तो ग्रामीणों ने खुद से ही श्रमदान कर सड़क निर्माण में जुट गए। फावड़ा, कुदाल लेकर श्रमदान करते हुए ग्रामीणों ने गांव के करीब 500 मीटर पुराने खड़ंजायुक्त मार्ग को चलने लायक बना दिया है। ग्रामीणों के इस पहल की जहां सराहना हो रही है, वहीं लोग जिम्मेदारों को कोस रहे हैं।सोनभद्र जिले के बीडर गांव के डोंगाबहरा बस्ती में जाने वाला खड़ंजा युक्त मार्ग बदहाल है। मरम्मत न होने से यह चलने लायक नहीं रह गया है। बारिश के बाद स्थिति और बदहाल हो गई है। परेशान ग्रामीणों ने ग्राम समाधान दिवस, संपूर्ण समाधान दिवस में अफसरों से गुहार लगाई। ग्राम प्रधान व सेक्रेट्री सहित ब्लॉक और तहसील के अफसरों को प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन किसी ने नहीं सुनी।

थक-हार कर ग्रामीणों ने खुद से मार्ग को संवारने का संकल्प लिया और रविवार को वह फावड़ा, कुदाल लेकर कार्य के लिए घर से निकल आए। कुछ घंटे की मेहनत से ही ग्रामीणों ने खड़ंजा युक्त मार्ग को दुरुस्त कर दिया। ग्रामीण नंद बिहारी, बृजेश किशोर, अनिल मौर्य, इंद्र बिहारी ने कहा कि महीनों से हम लोग गुहार लगाते आ रहे हैं। उम्मीद थी कि जिम्मेदारों के ध्यान देने से बारिश के पहले रास्ता ठीक हो जाएगा, लेकिन उनकी उपेक्षा से मायूस ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से प्रयास कर मोरंग वाली मिट्टी से खड़ंजा को बराबर कर मरम्मत कार्य कर दिया। अब आवागमन में थोड़ी सहूलियत मिलेगी। इस बाबत एडीओ पंचायत रविदत्त मिश्रा ने कहा कि मामला संज्ञान में नहीं आया है। संबंधित सचिव से संपर्क कर जनहित में होने वाले कार्य को प्राथमिकता दिया जाएगा। पुराने खड़ंजा मार्ग की जांच कराते हुए सड़क मरम्मत कार्य जरूर किया जाएगा।

विलयधाम मंदिर में विशाल भण्डारा आज

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

रिठौरा। भगवान नारायण के आवेश अवतार भगवान शैलजा नारायण को समर्पित विलय ज्ञान धर्मार्थ संस्था द्वारा संचालित विलयधाम मंदिर में सावन के प्रथम सोमवार को संकीर्तन एवं विशाल भण्डारे का आयोजन होगा। यह जानकारी संस्था अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने दी है। उन्होंने अधिक से अधिक शिवभक्तों से भण्डारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

स्टालिन बोले: BJP का विरोध करने से सरकार पर खतरा आए तो भी चिंता न करें; राष्ट्रपति से की राज्यपाल की शिकायत

स्टालिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राज्यपाल आरएन रवि की शिकायत भी की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने सांप्रदायिक नफरत को बढ़ावा दिया है। वह राज्य की शांति के लिए खतरा हैं।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को राज्यपाल और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर द्रमुक नीत सरकार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कड़ा विरोध करने की वजह से नुकसान उठाना पड़े तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। अगर हमारी सरकार पर खतरा आ जाए फिर भी किसी को घबराने की जरूरत नहीं है।स्टालिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राज्यपाल आरएन रवि की शिकायत भी की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने सांप्रदायिक नफरत को बढ़ावा दिया है। वह राज्य की शांति के लिए खतरा हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, राष्ट्रपति मुर्मू को आठ जुलाई को लिखे पत्र में स्टालिन ने आरोप लगाया कि रवि ने संविधान के अनुच्छेद 159 के तहत ली गई पद की शपथ का उल्लंघन किया है।

बालाजी मामले के बाद बढ़ी तल्खी- मुख्यमंत्री ने पत्र में दावा किया कि हाल में राज्यपाल द्वारा मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने संबंधी कदम से उनके राजनीतिक पक्षपात का पता चलता है। राज्यपाल ने बाद में सेंथिल बालाजी को बर्खास्त करने संबंधी अपने फैसले को वापस ले लिया था।

विपक्षी एकता को लेकर कही यह बात- स्टालिन ने विपक्षी दलों की हाल में पटना में हुई बैठक के बारे में बयान दिया। स्टालिन ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि सत्ता कौन संभालेगा? इसके बदले यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि मौजूदा भाजपा सरकार जारी नहीं रहनी चाहिए। इस महीने की 17 और 18 तरीख को कर्नाटक में विपक्षी दलों की होने वाली प्रस्तावित बैठक पर उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार और खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे चिंता में हैं। स्टालिन ने रोजगार के अवसर संबंधी वादे और किसान कल्याण को लेकर भी पीएम मोदी पर भी निशाना साधा।

थाना दिवस की कार्रवाई एवं लेखपालों की लापरवाही से नाराज कमिश्नर की सुधर जाने की चेतावनी

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - समीक्षा बैठक में आयुक्त ने डीएफओ को वृक्षारोपण के लिए उचित स्थान चिन्हित कर मिट्टी का परीक्षण करने के उपरांत ही वृक्षारोपण करने और गत वर्ष में किए गए वृक्षारोपण की मौके की स्थिति क्या है उसकी फोटो सहित रिपोर्ट प्रेषित करने की हिदायत दी आयुक्त ने जिलाधिकारी को दैनिक रूप से आई0जी0आर0एस0 की समीक्षा कर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने को कहा आयुक्त ने सभी अधिकारियों को प्रात 10 से 12 बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में बैठकर जनता को सुनने और उनकी समस्याओं का प्रभावी निराकरण कराने के निर्देश दिए बैठक में आयुक्त ने जिलाधिकारी को चाइल्ड लेबर के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति अपनाने को कहा जनपद फर्रुखाबाद ऑडप में ब्लॉक पेंटिंग के लिए जाना जाता है बैठक के उपरांत आयुक्त ने भीकमपुरा स्थित ब्लॉक पेंटिंग केंद्र का दौरा किया और यहां कार्यरत कर्मचारियों से वार्ता कर कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी की आयुक्त ने अपर आयुक्त.प्रशासन.श्री प्रेम प्रकाश उपाध्याय से तहसील सदर तथा संयुक्त विकास आयुक्त कानपुर मंडल कानपुर श्री एन0बी0 सविता से ब्लॉक राजेपुर का निरीक्षण कराया निरीक्षण में प्राप्त कमियों को तत्काल सुधारते हुए आयुक्त को रिपोर्ट प्रेषित करने को कहा

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

जिलाध्यक्ष श्री चंद्रपाल सिंह यादव जी की अध्यक्षता में वरिष्ठ नेताओं/ विशेष आमंत्रित सदस्यों की बैठक

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय आवास विकास पर जिलाध्यक्ष श्री चंद्रपाल सिंह यादव जी की अध्यक्षता में वरिष्ठ नेताओं/ विशेष आमंत्रित सदस्यों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद जिला प्रभारी चंद्र भूषण सिंह मुन्नू बाबू,हाजी तरीक सेठ,पूर्व प्रत्याशी विधानसभा अमृतपुर डॉ जितेंद्र सिंह यादव,पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य सरल दुबे,जिला प्रभारी डॉ नवल किशोर शाक्य,पूर्व ब्लाक प्रमुख राशिद जमाल सिद्दीकी,पूर्व प्रत्याशी कायमगंज रहे रामशरण कठेरिया,पूर्व महानगर अध्यक्ष चांद खान आदि नेताओं ने एक सुर में जिला संगठन के कार्य की तारीफ की एवं संगठनात्मक कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए। सभी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि अपने अपने बूथ की कमेटी,सेक्टर प्रभारी,जोन प्रभारी बनाकर शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिए। बैठक का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह गौर ने किया जिला महासचिव इलियास मंसूरी ने मासिक आय व्यय पर सभी वरिष्ठ नेताओं से अनुरोध किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर आश्वासन दिया गया।

बाबा बागेश्वर को लेकर क्यों हो रही राजनीति?

मुफ्तानंद की कहानी पर फिर गरमाई राजनीति

बाबा बागेश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जहां भी अपना दरबार लगाते हैं, उन पर राजनीति करने के आरोप लग जाते हैं। जब उन्होंने पटना में अपना दरबार लगाया था और जाति छोड़कर हिंदू राष्ट्र निर्माण के लिए सभी हिंदुओं को एक होने की अपील की थी, तब भी राष्ट्रीय जनता दल ने उन पर राजनीति करने का आरोप लगाया था। दिल्ली दरबार में जब उन्होंने %मुफ्तानंद% की कहानी सुनाई और लोगों से ज्यादा मुफ्त के चक्कर में न पड़ने की बात कही तो यहां भी उन पर इशारों-इशारों में अरविंद केजरीवाल पर राजनीतिक हमला करने के आरोप लगने लगे। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर आरोप लगते हैं कि वे अपनी कथाओं में उन्हीं मुद्दों को उठाते हैं जो किसी राजनीतिक दल के विचारों को फायदा पहुंचाते हैं। हिंदुत्व, हिंदू राष्ट्र, सभी जातियों को छोड़कर एक होने और देश को विश्व गुरु बनाने जैसी बातें बाबा बागेश्वर अपने दरबार में बताते हैं। जब वे अपने गृह क्षेत्र में कथा का आयोजन करते हैं, तब भी उपस्थित जनसमुदाय को इन्हीं मुद्दों पर सावधान करते हैं। जब देश के अलग-अलग हिस्सों में वे जाते हैं, तब भी उन्हीं मुद्दों को जोरशोर से उठाते हैं। हालांकि, ये वही मुद्दे हैं जो भाजपा खुद अपने राजनीतिक अभियानों में इस्तेमाल करती रही है। यही कारण है कि बाबा बागेश्वर धाम के मुद्दों को भाजपा से जोड़कर देखा जाने लगता है, लेकिन इसका कारण केवल यही नहीं है। बाबा बागेश्वर के देश में लग रहे विभिन्न स्थानों पर दरबार को आयोजित करने में भाजपा से जुड़े लोग ही सबसे आगे दिखाई पड़ते हैं। पटना दरबार में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की आरती उतारते हुए दिखाई पड़े थे। यही कारण है कि विपक्ष के इन आरोपों को बल मिलने लगता है।

गलत आरोप, कोई भी आयोजित करा सकता है बाबा का कार्यक्रम- भाजपा दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता विक्रम मित्तल ने अमर उजाला से कहा कि बाबा बागेश्वर पर राजनीति करने के आरोप लगाना हास्यास्पद है। उन पर राजनीति करने के आरोप लगाना देश के संतों का अपमान भी है। उन्होंने कहा कि वे एक संत हैं और अपने दरबार में समाज-देश को जागृत करने के मुद्दे उठाते हैं जो कि किसी भी धार्मिक संत से अपेक्षा की जाती है। वे अपनी सभाओं में देश को आगे बढ़ाने और देश के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की बात करते हैं। वे किसी भी जाति-धर्म से भेद नहीं करते हैं और सभी को एक समान सम्मान देते हैं। ऐसे में उनके दरबार में उठे मुद्दों को राजनीति से जोड़कर देखना बिल्कुल गलत है। विक्रम मित्तल का कहना है कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम कोई भी करा सकता है। जिसे भी उनके कार्यक्रम को कराने में रुचि हो, वह उनके दरबार में संपर्क कर सकता है। यह देश के हर नागरिक के लिए खुला है। ऐसे में किसी को यह आलोचना करने का अधिकार नहीं है कि बाबा बागेश्वर किसी राजनीतिक दल का मुद्दा उठाकर चलते हैं।

भाजपा-कांग्रेस भी अपना रहीं केजरीवाल के मुद्दे

शालीमार बाग से आम आदमी पार्टी विधायक वंदना कुमारी ने कहा कि बाबा बागेश्वर ने अपनी कथा में मुफ्तानंद की कहानी के माध्यम से अरविंद केजरीवाल की मुफ्त की राजनीति पर निशाना साधा है। यह बात आम इंसान को भी समझ में आ रही है कि उनकी इस कहानी के निशाने पर कौन था? आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा कि एक तरफ तो भाजपा और कांग्रेस उनकी पार्टियों की नीतियों की आलोचना करती हैं, लेकिन दूसरी तरफ वे उसी नीति की नकल भी करती हैं। ऐसे में यह बात समझ आ जाती है कि उन्हें भी पता है कि अरविंद केजरीवाल की नीतियां लोगों के हित में हैं और इसे आगे बढ़ाना चाहिए। वंदना कुमारी ने कहा कि एक तरफ तो प्रधानमंत्री उनकी नीतियों को मुफ्त की रेवड़ी कहकर उनका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन दूसरी तरफ वे स्वयं जनता के कल्याण के नाम पर भारी-भरकम छूट वाली घोषणाएं करते हैं। उन्होंने कहा कि इस बात का पैमाना तय होना चाहिए कि किस आधार पर किसी राजनीतिक दल की घोषणाओं को जनता के कल्याण के लिए जारी की गई योजनाएं कहा जा सकता है और किस आधार पर उन्हें मुफ्त की रेवड़ी करार दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सामान्य लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए लगातार काम करती रहेगी।

क्या कहा था बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने

बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने दिल्ली दरबार में अपने गांव का एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि उनके गांव में एक मुफ्तानंद रहता था जो मुफ्त की चीजों को पाने के लिए हमेशा तैयार रहता था। उन्होंने कहा कि एक बार कहीं पर बर्फ मुफ्त मिल रही थी। मुफ्तानंद उसे लेने पहुंचा, लेकिन बर्फ लेने के चक्कर में उसके कपड़े फट गए। जब वह घर पहुंचा तो खुश होकर अपनी पत्नी को बताया कि वह तीन रूपये की बर्फ मुफ्त लाया है, लेकिन उसकी पत्नी ने कहा कि तीन रूपये की मुफ्त की बर्फ के लिए वह 640 रुपये के नए कपड़े फाड़ लाया है, उसका क्या? उन्होंने कहा कि इसी तरह हमेशा मुफ्त की चीजें नुकसान कर जाती हैं, इसलिए मुफ्त की चीजों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। उनके इस बयान पर सियासत शुरू हो गई है।

आईएएस-पीसीएस के लिए टिप्स देंगे क्षेत्राधिकारी पुनीत द्विवेदी, प्रतिष्ठा में होगा सेमिनार

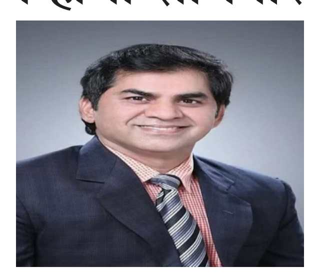

प्रतिष्ठा आईएएस एकेडमी के निदेशक डीआर यादव ने बताया कि सेमिनार में आईएएस और पीसीएस की परीक्षा से संबंधित सवालों के जवाब भी दिए जाएंगे। मुख्य परीक्षा तथा प्री परीक्षा की किस तरीके से तैयारी करें आदि विषय पर चर्चा की जाएगीआगामी 2024 की आईएएस और पीसीएस परीक्षा की तैयारी कैसे की जाए,

इस पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को सीओ पुनीत द्विवेदी टिप्स देंगे। सेमिनार को एकेडमी के निदेशक डीआर यादव भी संबोधित करेंगे। सेमिनार 10 जुलाई को प्रतिष्ठा आईएएस एकेडमी में दोपहर 2 बजे आयोजित होगा।जिसमें सीओ पुनीत द्विवेदी बताएंगे कि उन्होंने किस तरीके से सफलता पाई। किस तरीके से नोट्स बनाएं और कितना समय तैयारी को दिया। प्रतिष्ठा आईएएस एकेडमी के निदेशक डीआर यादव ने बताया कि सेमिनार में आईएएस और पीसीएस की परीक्षा से संबंधित सवालों के जवाब भी दिए जाएंगे। मुख्य परीक्षा तथा प्री परीक्षा की किस तरीके से तैयारी करें आदि विषय पर चर्चा की जाएगी।

दूसरा चरण: कांग्रेस ने अयोध्या से शुरू किया जातीय जनगणना कराओ, ओबीसी आरक्षण बचाओ सम्मेलन

उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने जातीय जनगणना कराओ, ओबीसी आरक्षण बचाओ सम्मेलन के दूसरे चरण का प्रारंभ रविवार को अयोध्या से कर दिया है। इस सम्मेलन का आयोजन कई चरणो में अलग-अलग जिलों में होगा। 17 जुलाई को आजमगढ़, 20 जुलाई को गोरखपुर, 23 जुलाई को उरई और 30 जुलाई को वाराणसी में सम्मेलन होगा। कांग्रेस ने अयोध्या से जातीय जनगणना कराओ ओबीसी आरक्षण बचाओ सम्मेलन का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। इसके साथ ही पार्टी ने संविधान बचाओ संकल्प सभा की भी शुरुआत कर दी है। इस सम्मेलन के जरिए सामाजिक न्याय का हवाला देकर पिछड़ों एवं दलितों को लामबंद किया जा रहा है। पहले चरण में मथुरा, कानपुर, बरेली, सहारनपुर, प्रयागराज में यह सम्मेलन हो चुका है। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि इन सम्मेलन में जुटने वालों को जातीय जनगणना की जरूरत के बारे में समझाया जा रहा है।जौनपुर से शुरू हुई संविधान बचाओ संकल्प सभा- कांग्रेस रविवार से संविधान बचाओ संकल्प सभा भी जौनपुर से शुरू कर दी है। इस सभा में प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी सहित सभी प्रांतीय अध्यक्ष भी मौजूद रहे। संकल्प सभा के जरिए हर वर्ग के लोगों को जोड़ने की रणनीति बनाई गई है। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से लोकसभा उम्मीदवार के लिए भी विचार विमर्श किया जाएगा। कांग्रेस कमेटी की ओर से विभिन्न अभियानों के जरिए पुराने वोटबैंक को हासिल करने की कसरत की जा रही है। इसके तहत विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरने वाले उम्मीदवारों से फीडबैक लेने के बाद अब संविधान बचाओ संकल्प सभा शुरू की गई है। जिले स्तर पर होने वाली इस सभा के जरिए स्थानीय नेताओं को गोलबंद करेंगे तो पार्टी के पुराने नेताओं को सक्रिय करने के साथ ही विभिन्न दलों के लोगों को पार्टी की सदस्यता भी दिलाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने बताया कि जौनपुर से शुरू होने वाला यह अभियान निरंतर चलता रहेगा। इसके बाद बूथ कमेटी गठन के लिए अभियान चलेगा।

Hayley Matthews broke the back of the IRE team, created history by taking a hat-trick, became the third WI player to do so

Hayley Matthews Wickets IRE vs WI Ireland team has faced a humiliating defeat in the T20 series after the ODI series. Let us tell you that the West Indies team has cleared the Irish team. In the last match of the T20 series, captain Healy Mathews presented a spectacular performance. Healy made a special record by taking a hat-trick in the match. Hayley Matthews

Wickets IRE vs WI Ireland team has faced a humiliating defeat in the T20 series after the ODI series. Let us tell you that the West Indies team has cleared the Irish team. In the last match of the T20 series, Captain Hayley Mathews presented a spectacular performance. Healy made a special record by taking a hat-trick in the match. Hayley Matthews has become the third woman player of the West Indies to take a hat-trick against Ireland in the last match of the three-match T20 series.) The last match of the three-match T20 series was played at Gros Islet on 8 July. In this match, Ireland won the toss and decided to bat first. Batting first, the Ireland women's team scored 116 runs for the loss of 9 wickets in 20 overs. For the team, Amy Hunter scored 44 runs and Orla Prendergast scored 40 runs. Apart from these two, no batsman could cross the 20-run mark. In response, chasing 117 runs, the West Indies women's team achieved the target in 18.1 overs. On behalf of the team, Haley Mathews scored 48 runs in 34 balls while doing wonders with the bat. Apart from him, Alia Allen scored an unbeaten 49 runs. Hayley Matthews took a total of 4 wickets in 4 overs during Ireland's innings in the match. During this he spent 14 runs. As soon as he took the hat-trick, Haley of West Indies made a special record in his name. She became the third player from the West Indies to take a hat-trick against Ireland. Before her, Anisa Mohammed and Stephanie Taylor have done this feat for West Indies in T20 International cricket.

Women Ashes series reached exciting turn, hosts amazing, captured T20 series

AUS W vs ENG W T20 Series. These days the Ashes series is being played in England. While on one hand the men's team is playing a five-Test series, on the other hand, the women's team is also witnessing a thorny competition in the multi-format tournament. While Australia seems to have the upper hand in the men's team, England is looking strong in the women's Ashes. AUS W vs ENG W T20 Series Women Ashes 2023. These days the Ashes series is being played in England. While on one hand the men's team is playing a five-Test series, on the other hand, the women's team is also witnessing a thorny competition in the multi-format tournament. Australia seems to have the upper hand in the men's team, while the England team is looking strong in the women's Ashes. Let us tell you that the result of the women's Ashes comes out on the basis of Test, T20 and ODI series. In such a situation, Australia took the lead by defeating England in the only Test of the current series, while England defeated the Kangaroo team by 5 wickets on Saturday and captured the T20 series and equalized the series. ENG W vs AUS W: England beat Australia by 5 wickets in the third T20 match – let us tell you that the England women's team (ENG W vs AUS W) won the toss in the match and decided to bowl first. Batting first, the Australian women's team scored 155 runs at the loss of 7 wickets in 20 overs. Most runs from the team came off the bat of Ellis Perry. Ellis scored 34 runs off 25 balls. No player from the Kangaroo team could touch the figure of 50 runs, but three players definitely crossed the 30-run mark. Rain knocked in the match and disrupted the game. Due to rain, England got a target of 119 runs in 14 overs, which was achieved by the England women's team in 13.2 overs with 5 wickets remaining. Alice Capsey played an inning of 46 runs from 23 balls for England. She missed just 4 runs from scoring a half-century. His innings included a total of 4 fours and 2 sixes. Apart from him, Siever Brunt scored 25 and Daniel Wyatt scored 26 runs.

Sourav Ganguly wants to see Pakistan in semi-finals, former Indian captain told funny reason

The semi-final matches are to be played at Wankhede Stadium in Mumbai and Eden Gardens in Kolkata. The Wankhede Stadium will host the first semi-final between the first and fourth placed teams while the Eden Gardens will host the game between the second and third placed teams. India is scheduled to host the ODI World Cup in October-November. The first match of the tournament will be played between England and New Zealand on October 5. Three days later, on the eighth day, Team India will take on Australia in Chennai. At the same time, the important match against Pakistan will be played in Ahmedabad on 15 October. Cricket fans have been waiting for the match between the two countries for a long time. The semi-finals were played between the two teams in 2011. Then the Indian team won and also won the World Cup. This time, former India captain Sourav Ganguly wants to see the semi-final match again between these two teams. Former BCCI president Sourav Ganguly has said that if India and Pakistan face each other in the semi-finals of the ICC World Cup 2023 at the iconic Eden Gardens, They will be happy if they fight. Sourav Ganguly has said that he is looking forward to an India-Pakistan semi-final at the Eden Gardens. The former India captain also thanked the BCCI for allotting five World Cup matches at the iconic venue. Two of those five matches will feature Pakistan. What did Ganguly say? - Ganguly said in an interview, "We are very happy to have five matches at Eden Gardens. I must thank the BCCI and Jay Shah for getting us through to the semi-finals. I spoke to him and I am sure Bengal Cricket Association must have spoken to him many times about the matches. Eden Gardens is a great ground. 60-70 thousand spectators capacity. That also plays a big role. We will make it big in next two years Will reach one lakh. I am very happy because World Cup is a big event and Eden has hosted big matches before. The Wankhede Stadium will host the first semi-final between the first and fourth placed teams while the Eden Gardens will host the game between the second and third placed teams. However, if Pakistan reaches the semi-finals, it will play in Kolkata. The ICC has announced that regardless of where Pakistan is on the points table, if it qualifies for the knockouts, it will play the semi-finals at the Eden Gardens. If India and Pakistan meet each other in the semi-finals, the match will be held at the Eden Gardens. If the semi-final against Pakistan doesn't happen, India will play in Mumbai only.

Dhoni posted on Instagram after 151 days, cut cake at home; visible glimpse of birthday celebration

Dhoni celebrated his birthday with his pet dogs. He cut the cake in front of his beloved dogs and then fed it to everyone in turn. In the end, I also ate some cake myself. Dhoni's love for animals is not hidden from anyone. Former India captain Mahendra Singh Dhoni turned 42 on Friday (July 8). The current Chennai Super Kings captain, who usually stays away from social media, shared a video of the birthday celebration on Instagram. Dhoni has posted something on this platform after 151 days. Last time he shared the video of driving a tractor on February 8. Dhoni thanked everyone in the caption. He wrote, "Thank you very much for all your warm wishes. A glimpse of what I did on my birthday. '''''' It is seen in the video that Dhoni is celebrating his birthday with his pet dogs. He cut the cake in front of his beloved dogs and then fed it to everyone in turn. In the end he himself ate some of the cake. Dhoni's love for animals is not hidden from anyone. Standing on the terrace, Dhoni said thank you to the fans - before this, the process of congratulating Dhoni went on throughout the day on Friday. Even the fans gathered outside his residence in Ranchi. A crowd of fans jammed Dhoni's gate. There the fans were cutting the cake and celebrating. Fans waited for Mahi for hours. The Chennai Super Kings skipper did not disappoint him. Dhoni climbed to the roof of the house to accept the greetings of the fans. There were some other people with him. Dhoni shook hands and thanked the fans. Its video went viral on social media. The only captain to win all ICC tournaments - Dhoni is the only captain in the world to win all ICC tournaments in limited overs cricket. T20 World Cup (2007), ODI World Cup (2011) and Champions Trophy (2013) titles are in their kitty. Dhoni had retired in 2020- Dhoni had retired from international cricket on 15 August 2020. However, he continued to play in the IPL. Dhoni has so far scored 5082 runs in 250 IPL matches at an average of 38.79 and a strike rate of 135.92. Talking about international cricket, he scored 4876 runs in 90 Tests, 10,773 runs in 350 ODIs and 1617 runs in 98 T20s. He still plays in IPL. He made Chennai Super Kings the champion last season. Under the captaincy of Dhoni, the Chennai team has won the title five times.

Divyanka Tripathi celebrated anniversary with husband Vivek on the beach like this, couple's romantic video surfaced

Divyanka Tripathi Vivek Dahiya Dinner Date Popular small screen couple Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya completed 7 years of marriage. The couple enjoyed their seventh wedding anniversary in Thailand. Divyanka enjoyed a sea-side dinner date with her husband Vivek Dahiya, whose video has also surfaced. The couple got married in 2016. Divyanka Tripathi and Vivek Dahiya are one of the loving couple of television industry who know how to make each other feel special. Recently, Divyanka and Vivek celebrated their seventh wedding anniversary. A romantic video of the couple's anniversary celebration has surfaced. This is how Divyanka-Vivek celebrated the anniversary-Divyanka enjoyed a romantic sea-side dinner in Thailand on the anniversary with her husband Vivek. The 'Ye Hai Mohabbatein' actress has also shown a glimpse of it on her Instagram account on 9 July 2023. He has shared a video of his special moment. It can be seen in the clip that Vivek has arranged a romantic dinner date for his lady love by the seashore. Couple can also be seen having a lot of fun on this date. Sharing this video, Divyanka Tripathi has congratulated her husband for the anniversary in a loving way. "The salt-kissed wind whispers the tales of our love story, with a romantic sea-side dinner as we celebrate our anniversary. Happy anniversary my love," the actress wrote in the caption. Vivek Dahiya also shared the romantic pictures. Happy anniversary to my lady love Divyanka. Vivek shared several romantic photos with his wife from their Thailand trip, in which the couple can be seen lost in each other's love.To my partner in travel and adventure - the world is beautiful with you. Here 7 years are going to be completed, which have passed in a moment. During this, there was a friendship between the two and then this relationship turned into love. In the year 2016, the couple converted their dating into a marriage relationship. Today they are one of the favorite couples of the glamor world.

Showing the disgusting truth of terrorism, '72 Hooren' piled up in the beginning, so far it has earned only this much

72 Hoorain Box Office Day 2 Collection After The Kerala Story, a controversy broke out regarding the film 72 Hoorain. The movie got a good response from the film critics on the first day of its release but the audience showed disdain on the opening day itself. The second day collection of the film adorned with excellent performances by Pawan Malhotra and Aamir Bashir has arrived. The film '72 Hooren', showing the heart-wrenching story of terrorism, has hit the theatres. There was a lot of uproar before the release of the film. The demand for not releasing it by calling it a propaganda film like 'The Kerala Story' was strong. After heavy protests, the movie finally got an entry at the ticket window. However, Sanjay Puran Chauhan's '72 Hooren' bombed at the box office on the very first day of its release. In such a situation, it will be interesting to know whether the film got any benefit of the weekend on the second day or not. Viewers are not having any luck for '72 Hooren' - Ashok Pandit is the co-producer of director Sanjay Puran Chauhan's '72 Hooren'. The kind of hue and cry there was about the movie, it could not cross 35 lakhs at the box office on the first day itself. In such a situation, it seems to be proving very cold. According to the report of Sacnilk, on Saturday, July 8, the film has been able to earn 45 lakhs. If seen from this point of view, the film could not earn even one crore in 2 days. In such a situation, the film seems to be getting badly beaten at the box office. However, these are preliminary trends, and are subject to change. Praised by the audience- It is surprising that the critics and the audience have given positive response to the film. Sanjay Puran Chauhan has shared many videos on social media taking the reaction of the audience. Murder in the name of Jihad, these things seen in the story - Talking about the story of 72 Huron, it shows how innocent people were brainwashed and killed. Is pushed into the world of terrorism. The film shows terrorism and the way to become a terrorist from a different angle. This is the story of two terrorists who carried out the bomb blast at the Gateway of India in Mumbai. They do this because they are told that those who give martyrdom get '72 hoors' in heaven. The film is made in black and white.

Kajol got trapped by giving statements on the education of politicians, people reminded of nepotism, the actress clarified

Kajol On Political Leaders Educations Kajol has also commented on the education and understanding of the leaders. After this he is being trolled. At the same time, some people have also supported his statement. After the controversy escalated, the actress has also given clarification. Kajol is a film actress and these days she is promoting her upcoming web series The Trial. Kajol is promoting her upcoming web series The Trial these days. Recently, he gave his opinion on the less educated leaders of India. What comments has Kajol made about the leaders of India? Kajol has come under fire from netizens on social media after her comments about the leaders of India. He has said that the leaders of India do not have a background related to education. Because of this, change happens very slowly in India. After this many people trolled him. Many leaders are also included in these. Kajol has said in an interview, "The rate of development in India is slow because people lack education and we give priority to our beliefs." Why is Kajol being trolled? He also targeted the leaders in his statement. Kajol was promoting her upcoming web series The Trial at a promotional event. Trolling Kajol, one wrote, "The product of nepotism itself is a school dropout. Her husband sells cancer and see Madam's confidence." One has written, "Kajol herself has left studies after 8th." At the same time, many people have supported her. Kajol has given an interview to The Quint. In it he says, "Change happens very slowly in India. It is very, very slow because we are bound by our traditions. Our thoughts are the same and it has to do with our education. We have such Leaders who are not educated. I am sorry but I must say this. I am ruled by such leaders who do not have any vision of their own which you get from education. At least you understand other's point of view comes." What clarification has Kajol given on the comment made regarding the education of politicians? - Kajol has given clarification on Twitter after the controversy escalated. He wrote, "I was just saying my point about studies and it is very important. My aim was not to demean any leader. We have some very great leaders who can take the country on the right path." Have been."

Shahid Kapoor spoke for the first time after the video of 'Kiss' with Kareena Kapoor was leaked, said- I was completely broken

Shahid Kapoor On Kareena Kapoor Kiss Actor Shahid Kapoor was recently seen in Bloody Daddy and Fergie. Now he has talked about the leaked video with Kareena Kapoor in an interview given to Mid Day. Both were seen kissing in a club. Then both were dating each other. Kareena Kapoor and Shahid Kapoor were dating each other during 2004. Both have also worked with each other in many films. A video of both of them from the night club was leaked. In this, both were also seen kissing each other. After this, there was a lot of controversy. Shahid Kapoor has now spoken about this for the first time. He has revealed that when he got this news, then afterwards, he was completely broken. In which films have Shahid Kapoor and Kareena Kapoor worked? Shahid Kapoor and Kareena Kapoor have worked in films like Chup Chup Ke, 36 China Town, Jab We Met, Fida. However, both of them broke up later. After this, Kareena Kapoor started dating Saif Ali Khan and married him only. At the same time, Shahid Kapoor arranged an arranged marriage with Meera Rajput. What has Shahid Kapoor said on Kareena Kapoor and Kiss leaked video? Now Shahid Kapoor has given an interview to Mid Day. In this he has spoken openly. He said, "I was completely broken at that time. I was a 24-year-old kid at that time and when this incident happened, after that, I felt like someone had snatched my privacy and I was determined to protect it. Wasn't able to do anything. I was completely confused as to what was happening and why it was happening like this. I was very upset at that age. Couldn't understand my feelings. I was dating a girl I didn't know how to live with a girl. You both come from two different places and you are also actors and it happens." How many children does Shahid Kapoor have? - Shahid Kapoor This clip was also informed that 3 boys had come to Mid Day's office and bought this clip for ?500. On this, the actor laughed and said that the interviewer has not given any money. Elaborating further, he says, "Now you know 100% that it will happen. Now I'm married. I've got kids. No one cares about those things anymore. Now you can do other things." Focus on 24-year-olds."